

विचरण 4. विद्यमानता, उपस्थिति, मौजूदगी 5. वाद-विवाद, बहस, तर्क 6. अत्यंत कष्ट, दुःख, विपत्ति 7. बड़े भाई से पूर्व विवाह कर लेना या विवाह हो जाना 8. विवाह, शादी।

परिवेदना स्त्री. (तत्.) 1. तीक्ष्ण बुद्धिमत्ता, विदग्धता, विलक्षणता, चातुर्य 2. अत्यंत पीड़ा, गहन दुःख।

परिवेदनीया स्त्री. (तत्.) परिवेत्ता की पत्नी, अविवाहित व्यक्ति के छोटे भाई की पत्नी।

परिवेदिनी स्त्री. (तत्.) दे. परिवेदनीया।

परिवेश पुं. (तत्.) 1. परिधि, घेरा 2. बदली के कारण सूर्य या चंद्रमा के चारों ओर बन जाने वाला घेरा 3. प्रकाशमान पिंड जो मंडलाकार में होता है 4. तेजस्वी पुरुषों या देवी-देवताओं के मुख के चारों ओर बन जाने वाला प्रभा-मंडल, प्रकाशमान घेरा।

परिवेष पुं. (तत्.) 1. भोजन परोसना 2. घेरा, परिधि 3. चारों ओर रक्षा करने वाली वस्तु 4. प्राचीर, परकोटा, कोट 5. किरण-मंडल, प्रकाश-मंडल।

परिवेषक पुं. (तत्.) परसने वाला, परिवेषण करने वाला।

परिवेषण पुं. (तत्.) 1. परसना, परोसना 2. घेरा, परिधि 3. सूर्य या चंद्रमा आदि प्रकाशमान पिंडों के चारों ओर का मंडल, प्रकाश मंडल।

परिवेष्टन पुं. (तत्.) 1. चारों ओर से घेरना, वेष्टन करना 2. घेरा, परिधि 3. छिपाने या ढकने वाली वस्तु, आवरण।

परिवेष्टा पुं. (तत्.) परसने वाला, परिवेषक।

परिव्यक्त वि. (तत्.) अत्यंत स्पष्ट, सम्यक् रूप से प्रकट, प्रकाशित, जो अच्छी तरह से व्यक्त हो।

परिव्यय पुं. (तत्.) 1. खर्च, व्यय 2. मूल्य 3. शुल्क 4. किसी वस्तु की मरम्मत करने के बदले दिया गया धन, पारिश्रमिक।

परिव्याध पुं. (तत्.) 1. चारों ओर से बेधने वाला, छेदने वाला पुं. 1. जलबैत 2. कनेर 3. एक प्राचीन ऋषि का नाम।

परिव्याप्त वि. (तत्.) चारों ओर फैला हुआ, छाया हुआ।

परिव्रज्या स्त्री. (तत्.) 1. घूमना-फिरना, भ्रमण, इधर-उधर घूमना 2. तप, तपस्या 3. भिक्षुकवत् जीवनयापन, भिक्षुक वृत्ति से निर्वाह।

परिव्राज पुं. (तत्.) 1. सदा भ्रमणशील रहने वाला संन्यासी 2. संन्यासी 3. अत्यंत तप रत यती (संन्यासी), परमहंस 4. घर-परिवार छोड़ चतुर्थ आश्रय में प्रविष्ट व्यक्ति।

परिव्राजक पुं. (तत्.) दे. परिव्राज।

परिव्राजी स्त्री. (तत्.) गोरखमुंडी, मुंडी।

परिव्राटी पुं. (तत्.) परिव्राज, परिव्राजक।

परिशंकी वि. (तत्.) आशंकित, भयभीत।

परिशाश्वत वि. (तत्.) एक ही रूप में सर्वदा रहने वाला, सदा एक समान रहने वाला।

परिशीलित वि. (तत्.) परिशीलन किया हुआ, जिसका परिशीलन किया गया हो।

परिशिष्ट वि. (तत्.) 1. बचा हुआ, छूटा हुआ, अवशिष्ट 2. समाप्त पुं. 1. मूल पुस्तक में छूट गई वे बातें जो अंत में परिशिष्ट में स्पष्टीकरण के लिए दी जाती थी 2. अनुसूची।

परिशीलन पुं. (तत्.) 1. किसी विषय को सोचते हुए पढ़ना, मनोयोगपूर्वक पढ़ना 3. स्पर्श करना, छूना।

परिशुद्ध वि. (तत्.) 1. विशुद्ध, निर्दोष, निर्मल, खरा 2. पूर्णतः ठीक 3. छोड़ा हुआ।

परिशुद्धि स्त्री. (तत्.) 1. पूर्णतः शुद्धि, सम्यक् शुद्धि 2. रिहाई, छुटकारा।

परिशुष्क पुं. (तत्.) तला हुआ माँस वि. अतिशुष्क, एकदम सूखा हुआ, मुरझाया, नीरस।

परिशून्य वि. (तत्.) एकदम शून्य, रिक्त।